कला व संस्कृति से होता है सामाजिक सशक्तिकरण

कला एवं संस्कृति प्रभाग के त्रिदिवसीय सेमिनार में सम्बोधित करते हुए प्रभागाध्यक्ष ब्र.कु. रमेश शाह। साथ हैं के.सी. जैन, निशान्त जी, ब्र.कु. मृत्युंजय ब्र.कु. सतीश व अन्य।

ज्ञानसरोवर-मा.आबू। मुम्बई से आईं हिन्दी फिल्म अभिनेत्री रामेश्वरी ने कहा है कि कला का उद्देश्य मनोरंजन तक सीमित न होकर जीवन को संस्कार युक्त बनाना एवं सुख-शान्ति का प्रसार करना होना चाहिए। कला व संस्कृति को शाश्वत बनाने के लिए कलाकारों के जीवन में पारदर्शिता, पवित्रता व मेडिटेशन का समावेश होना आवश्यक है। वे ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित कर रही थीं। कला एवं संस्कृति प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. रमेश शाह ने कहा कि कला व संस्कृति के माध्यम से सामाजिक सशक्तिकरण होना चाहिए। सच्ची कला और संस्कृति वही है जो भिन्न-भिन्न धर्म, भाषा, रंग के नाम पर बंटे हुए समाज को जोड़ने के लिए सेतु का कार्य करे। निज स्वरूप को जानने के बाद ही परमात्मा के सत्य स्वरूप को जाना जा सकता है। प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. दयाल महंत ने कहा कि अपनी इच्छाओं के वश में होकर उसके प्रवाह में बह जाने वाला इंसान स्वयं का शत्रु है। जो कलाकार अपनी चेतना को समाज के साथ जोड़ता है वही सजीव कला का प्रदर्शन कर सकता है। इस अवसर पर प्रभाग के संयोजक ब्र.कु. सतीश आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

आधुनिकता के साथ-साथ आध्यात्मिकता को प्राथमिकता

दिल्ली-रजौरी गार्डन। आज की नारी प्रगति के दौर में काफी आगे निकल गई है और समाज में व देश में पुरुष के कन्धे से कन्धा मिलाकर अपनी प्रतिभा व योग्यता का परिचय दे रही है जिसमें ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय तो अनुपम भूमिका निभा रहा है। ये विचार '' विश्व परिवर्तन के लिये भगवान के कार्य में महिलाओं की भूमिका'' विषय पर सरोज खुराना,प्रिन्सीपल,शान्ति ज्ञान इन्टरनेशनल पब्लिक स्कूल,द्वारका ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि हमें भी प्रगति और आधुनिकता के साथ-साथ आध्यात्मिकता को अपनाना होगा तभी भगवान का यह कार्य जल्दी सम्पन्न हो जायेगा।

निर्मला शर्मा,अध्यक्ष,जागृति महिला समिति ने कहा कि यह सत्य है कि नारी शक्ति श्रेष्ठ है, परंतु हमें संयम, नियम व संस्कार को साथ-साथ रखकर विश्व परिवर्तन के परमात्म कार्य में विशेष भूमिका निभानी चाहिए।

ब्र.कु. राजयोगिनी शक्ति ने सबका आभार प्रकट करते हुए कहा कि आज हम अपने ईश्वरीय विश्वविद्यालय के नियमित पाठ्यक्रमों से, विभिन्न प्रभाग द्वारा सेवाओं से महिलाओं द्वारा विश्व परिवर्तन का परमात्म कार्य बड़े सुचारू रूप से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असंभव कुछ भी नहीं है। 19वीं सदी में शुरु हुए एक छोटे से प्रयास ने आज नारी शक्ति का जो विशाल वट वृक्ष सारे विश्व में फैल गया है इसी की छत्रछाया में ज्ञान विज्ञान के साथ-साथ जीवन में राजयोग भी अपनाना होगा। सेवाकेन्द्र की बहनों द्वारा एक लघु नाटक की प्रस्तुती दी गई। जुगनू भारती जी ने एक सुंदर कविता 'अंबर से कितना ऊंचा नारी का स्थान' सुनाकर महिलाओं का सम्मान बढ़ाया। ब्र.कु. हरीसिंह मीना ने अपने चिर परिचित अंदाज़ में अपनी स्वरचित कविता नारी का सम्मान गाकर सबको तालियां बजाने पर बाध्य कर दिया ।

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए सरोज खुराना, निर्मला शर्मा, ब्र.कु. शक्ति तथा अन्य।

ब्र.कु. नीतू द्वारा ''कोमल है कमजोर नहीं'' गीत पर सुन्दर स्वागत् नृत्य प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् ब्र.कु.बहनों द्वारा छात्राओं से मिलकर आधुनिक विज्ञान के साधनों को केन्द्रित कर एक लघु नाटिका ''कौन बड़ा'' प्रस्तुत कर संदेश दिया गया कि विज्ञान से राजयोग का ज्ञान बड़ा है। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्र.कु.चारू ने बखूबी निभाते हुए सभी अतिथियों व श्रोताओं का धन्यवाद किया।

किसान बने सशक्त और चरित्रवान तो देश बनेगा महान

गोधरा-गुज.। ग्राम विकास प्रभाग एवं ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'किसान सशक्तिकरण दिव्य महोत्सव' का भव्य आयोजन पंक्ति पार्टि प्लॉट, गोधरा में लगभग 2000 किसानों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इसमें दूध मंडली के चेयरमैन, सेक्रेट्री, कमेटी सदस्य, अग्रणी किसान नेताओं व प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

दाहोद,महिसागर जिले के ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्रों की संचालिका ब्र.कु. सुरेखा ने अपने स्वागत प्रवचन में कहा कि किसानों में मनोबल बढ़ाने व खेती में नवीनीकरण के लिए किसानों को सशक्त करने हेतु इस भव्य समारोह का आयोजन किया गया।

मा.आबू से आये ग्राम विकास प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. राजू ने कहा कि यदि किसान सशक्त और चरित्रवान हो जायें तो धरती, देश और विश्व स्वर्ग बन जायेगा। वर्तमान में अपने विचारों में तथा नेगेटिव नज़रियों को बदलने की ज़रूरत है।

पंचमहल जिला पंचायत के जिला विकास अधिकारी विजय सिंह वाघेला ने कहा कि गुजरात में चल रहे कृषि महोत्सव एवं कृषि मेले में पशुपालन, खेती में सुधार लाने के लिए नई योजनाओं को महत्व दिया जाता है, इसके साथ आध्यात्मिकता जोड़ने की नई रीत किसानों को अपनानी चाहिए, आपने जल संचय का महत्व बताते हुए ड्रिप इरीगेशन की तकनीक के लिए अनुरोध किया।

गुजरात के ट्रायबल एरीया में नाबार्ड, दाहोद द्वारा चल रहे इन्डो-जर्मन वॉटरशेड प्रोजेक्ट के हेड राजेशभाई दवे ने प्रेरक प्रवचन में कहा कि अन्नदाता किसानों को परमात्मा द्वारा मिल रही जीवनोपयोगी अष्ट-शक्तियों द्वारा स्वयं को सशक्त करना है। आणंद कृषि युनिवर्सिटी के मेइज रिसर्च, गोधरा के रिसर्च साइंटिस्ट डॉ. एस.एम. खानोडकर ने कहा कि खेती व पशुपालन की प्रवृत्तियों में किसानों को नई-नई युक्तियों के साथ सकारात्मक एवं विवेकपूर्ण बुद्धि का उपयोग करना चाहिए।

ब्र.कु. डॉ. निरंजना,वडोदरा ने कहा कि जैसे शुद्ध पानी का पीने में उपयोग करने से शारीरिक रोगों से मुक्ति व संरक्षण प्राप्त कर सकते हैं, ऐसे किसानों को आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग से मानसिक एवं शारीरिक तंदुरुस्ती प्राप्त करने के लिए जैसे अंधकार से प्रकाश की ओर जाने की शुरुआत करनी चाहिए।

पंचामृत सहकारी दूध डेयरी के मैनेजिंग डायरेक्टर सुरेशभाई पटेल ने शुभ प्रेरणा देते हुए कहा कि आज संसार और मानव जीवन में महिलाओं का सफल नेतृत्व व योगदान महत्वपूर्ण है और आपने महिला सशक्तिकरण और पानी के संचय की प्रवृत्ति पर ज़ोर दिया।

ग्राम विकास ट्रस्ट की डिस्ट्रिक्ट को-ऑर्डिनेटर भानुमति भगोरा ने अपनी शुभेच्छा प्रकट करते हुए कहा कि आज किसानों को दिव्य एवं आध्यात्मिक शक्तियों से अनुसंधान करने की बहुत ज़रूरत है, इससे ही वह खेती के व्यवसाय में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

ब्रह्माकुमारीज़ के शहेरा सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. रतन ने सुंदर रीति से महोत्सव की सफलता के लिए आभार प्रदर्शन किया। 25 जून,2015 के दिन नेपाल एवं भारत में आये भूकंप में मृत व्यक्तियों को श्रद्धांजलि देने के लिए समस्त सभा ने 2 मिनट शान्ति का योगदान दिया।

महोत्सव का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. सुरेखा, ब्र.कु. राजेश, ब्र.कु. राजू, विजय सिंह वाघेला, डॉ. एस.एम. खानोडकर, ब्र.कु. डॉ. निरंजना, सुरेश भाई पटेल, भानुमति भगोरा व ब्र.कु. रतन।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - **9414006096, 9414182088,** Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक **190** रुपये, तीन वर्ष **570** रुपये, आजीवन **4500** रुपये । **विदेश - 2500** रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 16th May 2015
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।